अतिशय क्षेत्र पपौरा जी
जिला– टीकमगढ़ (म. प्र.)

मूलनायक भगवान– चौबीसों तीर्थंकर।

जैन धर्म की पताका फहराने वाला ऐसा तीर्थ जहाँ आज भी प्राचीन मंदिरों का समूह जैन समाज की यशोगाथा का वर्णन कर रहा है। वास्तव में ऐसा लगता है कि स्वयं देवताओं ने इस तीर्थ का निर्माण किया हो। हमारी ऐसी अपूर्व धरोहर जिसमें सभी तीर्थंकरों की वीतरागी मनोज्ञ प्रतिमाएं बरबस ही तीर्थ यात्रियों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं।

एक बार जो गया पपौरा उसका हुआ भला है,
पत्थर को भी मोम बनाने वाली यहाँ कला है।

निकटवर्ती क्षेत्र– अहार जी 25 किमी, द्रोणागिरि 65 किमी, नैनागिरि 100 किमी, टीकमगढ़ 05 किमी व ललितपुर 65 किमी।

सम्पर्क सूत्र– कोमल चन्द्र जैन, अध्यक्ष (09424923545), विजय कुमार जैन, मंत्री (09893916688), सुनील जैन, प्रबन्धक (09754516264, 09424346145)